

- c. 14 pr. In marg. β. κη' τί. ις'. Καὶ ὁ ληφθεῖς  
— πιστεύεται om. A.  
§ 2. εἰσὶν ὑπεξ. = εἰσ. οἱ ὑπ. A.  
§ 3. καὶ τοιοῦτος = καὶ ὁ τ. A. c. 16 (ις').  
κα'. κγ' respondent cap<sup>ibus</sup> 23. 25.
- fol. 9<sup>r</sup>. c. 26 (κδ'). κοινῶ = κοινωνῶ A.  
c. 27 (κε') = in marg. β. λς' (sic) τί. ις' pr. — § 3.  
c. 28 pr. (κες'). γένωνται = γίνονται A.  
§ 3. καὶ ἡ ἐν δουλ. — — ad fin. = om A.  
§ 5. ὅταν ὁ κατὰ = ὅταν κατὰ A.  
ἔμελλεν = ἤμελλεν.
- c. 29—31 (usque ad v. κληρ. τοῦ υἱοῦ) = c. κς'.  
c. 36 (κη'). In marg. β. ς' τοῦ κώδ. τ. ν[ς']. c. 38 (λα').  
c. 39 (λς'). ἐπαγγελίηται = —[ἐ]ληται A.
- fol. 9<sup>v</sup>. ἐδώθη αὐτῶ = ἐδ. αὐτῆ A.  
c. 40 (λς'). c. 42 (λη'). γυνὴ υἱὸν = γ. ἡ υἱὸν A.  
ἔρχονται, εἴτε — τοίνυν, ἵνα = ἔρχονται  
ἵνα A.  
μετὰ τῶν νομίμ. = καὶ τὰ τῶν νομ. A.
- c. 45 (μα'). c. 46 (μβ'), ubi adicitur: Ὁ πατρὸς  
τὸν προγόγον ἐξ ἀδιαθέτου κληρονομεῖ.  
Sed emendandum est οὐ κληρονομεῖ; h. e.:  
Vitricus ab intestato privigno non succedit.  
Erratica videntur haec esse; respondent enim  
c. 3 Cod. VI, 59. Notandum est autem haec  
suo loco in plenioribus Basilicorum libris  
manu scriptis desiderari, atque in Synopsi  
tanquam ex c. 46 h. t. sumpta laudari.
- c. 51. c. 54.
- ΤΙΤΛΟΣ Β', ΒΙΒΛΙΟΥ ΜΕ'.  
In marg.: β. λη' τῶν διγέσι.  
folium unum periit.
- fol. 45<sup>r</sup>. c. 25. § 12. διασκέπτεσθαι = ἐνδιασκέπτεσθαι A.  
c. 28 (λς'). c. 28. § 2 (λς').  
Οἱ παῖδες καὶ ὑπ. καὶ αὐτ. = Οἱ π. ὑπ. κἄν  
αὐτεξ. A. qui omittit v. διακατοχήν.
- ΤΙΤΛΟΣ Γ', ΒΙΒΛΙΟΥ ΜΕ'.  
c. 1 (α').  
c. 2. § 2. § 7—8. συνάπτονται. Οὔτε συγγενῆς  
= συνάπτονται ὄντες συγγενεῖς A.  
c. 2. § 9. c. 3 (γ'). c. 4 (δ'). c. 6 (ς'). c. 7. § 5. 7.
- fol. 45<sup>v</sup>. Nov. 118. c. 2. ἐπιζήσουσι = —σωσι A.  
ibid. p. 524, 4. μητρὸς εἶεν = hucusq. A.
- ΤΙΤΛΟΣ Δ', ΒΙΒΛΙΟΥ ΜΕ'.  
Cap. numerus inde a δ' in A. uno minor est.
- c. 1 (α'). τὴν δεσπ. = τὴν δὲ δεσπ. A.  
καὶ δαπανῶν = καὶ τὸ δαπανῶν A. (cf.  
lect. Fabr. ἐν τῶ δ.).  
c. 3 (γ'). μετὰ δὲ ταῦτα = μ. τ. δὲ A.  
τινὲς μὲν ἐκ = τινὲς ἐκ A.

- ῶσι, μερίζεται = ῶ., μερίζονται A.  
ἐὰν δὲ ῶσι cet. usque ad f. om. A. c. 5 (δ').
- c. 6 (ε'). Ὅσα π. = Ὅσα ὁ πηρ A. c. 7 (ς'). c. 8 (ζ').
- ΤΙΤΛΟΣ Ε', ΒΙΒΛΙΟΥ ΜΕ'.  
In marg.: β. λη', ι. ια'.  
c. 1 in f. νόμου παρατήρησιν = v. ἐκρίθειαν  
καὶ π. A.  
c. 2 (β'). In marg. β. ς' του κώδ. τ. ιη'.  
ὁσάκις ἐργεῖ = ὅσ. γὰρ ἐργ. A.  
ἢ κατιόντων = καὶ κατ. A.
- ΤΙΤΛΟΣ ς', ΒΙΒΛΙΟΥ ΜΕ'.  
c. 3. In marg. Ν<sup>e</sup> ριζ' κ<sup>e</sup>. γ'.  
ποιήσατο = —οιτο A. (ut Fabr.)  
οἶα ἐκ = οἶα καὶ ἐκ A.  
τέλος τοῦ γ' τεύχους. Sequitur index IV<sup>i</sup>  
τεύχους, quem edidimus.
- ΤΕΥΧΟΣ Δ', ΒΙΒΛΙΟΝ Μς', ΤΙΤΛΟΣ Α'.  
In titulo post v. προσώπων: καὶ πραγμάτων  
καὶ ποιότητος αὐτῶν. c. 1 (α'). c. 2 (β').  
A v<sup>is</sup> e<sup>is</sup> Π<sup>i</sup> δουλεία et cet. efficitur in A.  
caput γ', ut in cod. par. 1357, quocum  
et in seqq. numeris congruit.
- c. 3 (δ') pr. ἐστὶν αἴρ. = ἐ. ἡ αἴρ. A.  
c. 3. § 2. καὶ ἀδ. = κ. διάφ. A.  
ἐξ ἐννόμου = ἐξ ἐ. γάμου A.  
§ 3. δούλην habet et A.
- c. 5 (c. 4—5 resp. ε<sup>i</sup> ε'). δημευομένου = δημο-  
μοσιευομένου A.  
c. 6 (ζ'). c. 7 (ς'). c. 8 (ζ'). c. 9 (ι') (ubi μηνὶ  
1. et A.).  
c. 10 (α'). διεκδικηθῆ = ἐκδικα. fol. 13<sup>r</sup>.  
c. 11 (ιβ'). c. 14 (ις'). c. 15 (ιη'). c. 18 (κα')  
c. 19 (κβ').
- ΤΙΤΛΟΣ Γ'.  
In marg.: β. α' τοῦ κώδ. ι. η'.  
c. 1 (α'). ἀνθρωπίνου = —πείου A.  
τὰ τείχη = τείχη A.  
τὰ δὲ ἀνθρωπίνου — τινός ἐστι om. A.  
cum Syn. et Cod. par. 1357.  
εἰσι δὲ τινα = εἰσι γὰρ τινα A., qui v. τέως om.  
ἀνθρωπίνου ἢ δημ. = ἀνθρώπεια ἢ δ. A.
- c. 1. § 1. κἄν εἰ = κἄν A.  
σωματικὰ διὰ τῶν δικῶν = σωματικὰ δικαίων.  
Inter haec verba vacat spatium fere 10 vel  
12 litterarum. veri similis est locum fuisse  
in archetypo lectu difficilem; ceteri librarii  
divinando, ut videtur, aptaverunt.  
περιποιῆται = —εῖται A., ut Syn. cod. 1357.

BIBLION MZ', ΤΙΤΛΟΣ Α' = βι. θ' τῶν διγέσι. ι. ε'.

Inc. a c. IV (ζ').

c. 5 (ζ') exhibetur, ut in Cod. par. 1357, cfr. p. 566, n. k., nisi quod recte A. habet: τὸ κόψαι . . ἄμα κόψεις — — — γίνῃ — — — πρὶν ἢ δὲ κόψεις.

c. 8. χρόνον τινὰ = χρόνον A.

c. 10. ὁ καιρὸς = ὁ καρπὸς A.

οὔτε τὰ μισθώματα = οὔτε τὰ ἐνοίκια οὔτε τὰ μισθ, A.

c. 11. καὶ αὐτοῖς = καὶ αὐτὰ A. ut Syr. C. 1357.

c. 14 (ιγ'). ὑπὲρ τῶν = his verbis desinit textus, totus enim quaternio λζ' perit.

fol. 241<sup>v</sup>.

Quaternio λζ'.

lib. 49, tit. 1 in f. ἀγοράσει καὶ ἐλευθερώσει. ὅσα δὲ δίκαια κτλ.

## ΤΙΤΛΟΣ Β', ΒΙΒΛΙΟΥ ΜΘ'.

c. 1—3. c. 6—7. c. 8 (η'). ὡς ὁ ἀπελ. = ὡς ἀπελ. — In c. 12 omittitur v. πάρεσχε.

c. 10 (ι'). c. 12 (ιβ').

c. 15 (ιε'). οὐ χρεωστει = χρεωστει A. c. 16 (ισ').

c. 17 (ιζ'). c. 18 (ιη'). FIDEICOMMISSU.

fol. 241<sup>v</sup>.

c. 19 (ιθ'). ὅτι ὁ ἀπελ. = ὅτι ἀπελ. A.

καὶ ἢ ὕβρ. = κ. εἰ ὕβρ. A. c. 20 (κ'). c. 21 (κα').

## ΤΙΤΛΟΣ Γ', ΒΙΒΛΙΟΥ ΜΘ'.

c. 1 (α'). c. 2 (β'). c. 3 pr. (γ').

c. 3. § 1. πρὸ μεσ. = πρὸ τῆς μεσ. c. 5.

c. 6. § 3. § 4. FIDEICOMMISSU.

c. 6. § 5. Ὁ ἄνηβος. § 6.

fol. 82<sup>v</sup>.

c. 7 (ζ'). κεχρεωστημένως = κεχωρισμένως A.

c. 16 (ιζ'). c. 17 (ιζ'). c. 19. § 1. c. 20. c. 21 pr. (κα').

c. 24. § 1 (κδ') sequitur c. 22 a v<sup>is</sup> ἐπὶ πάσης.

c. 25 (κε'). συγχωρῆ αὐτάς = σ. αὐτοῖς A.

c. 26 (κς'). οὐ μόνον = οὐ μόνοις A.

c. 27 (κζ'). c. 28 (κη'). c. 29. § 1. c. 30 (λ').

fol. 82<sup>v</sup>.

c. 32 (λβ'). c. 36. § 1. ἐδίδασκε = ἐδιδάχθη A.

c. 39 (λθ'). τρέφει = τρέφειν A. cum cod. 1357.

c. 44 (μδ'). c. 46.

c. 51 (να'). ἐπιτιθέναι = ἐπιθεῖναι. c. 55 (νε').

c. 57. μάλιστα αἰ = lectionem confirmat A.

διατίμησις τρέφεται = δ. στρέφεται A. (τρέφεται c. 1357). c. 59. 62. 63 (ξγ').

Exciderunt folia 3 et 4 quaternionis vel potius superest tantum frustulum (f. 229<sup>bis</sup>) in quo recto leguntur capitum numeri, qui procul dubio ad tit. IV huius libri spectant. Item in fol. 91<sup>bis</sup> (exciso) supersunt tantum numeri ζ', η', quos ad tit. 1 libri L pertinere certum est.

inc. a v<sup>is</sup> τῶ ἐνὶ ᾧ δύναιται Lib. L, tit. 1, fol. 89<sup>v</sup>. c. 22, § 3 in f.

c. 25 pr. ἐραίας = ἐρέας A. recte et sic deinceps. § 1. § 3. πορφύραν = πορφύρα A. recte et ita sanatur locus. c. 26. § 1. 27. 28. 29. § 4 ad fin.

c. 30 (λ'). ἀλλὰ καὶ κλ. = ἀλλὰ κλ. A.

c. 31 (λα'). c. 34 (λδ').

c. 36. § 2. 3. § 4. ὀνόματι καὶ μου ἄλλον = ὀνόματί μου κ. ἄ. A.

ἐμοὶ μόνω = ἐμοὶ μόνον A.

§ 5. καὶ ἀπὸ = κἂν ἀπὸ A.

c. 37 (λζ'). ἐκάτερα = ἐκατέρω A. c. 38 (λη'). c. 42 (μβ').

c. 43 (μγ'). καὶ τὴν περὶ κλ. = καὶ κλ. A. fol. 89<sup>v</sup>.

ἐξειλήσει = ἐξηλήσει A.

c. 44 (μδ'). ὁ κοινὸς = οἱ κοινοὶ (sic) A.

c. 45 (με'). πωλῶν ἐνέχυρον = πολλῶν ἐνεχύρων A.

c. 46. 47. § 2. 48. δούλω, οὐ = δούλω σου, οὐ A. δουλεύη = —οι A. cum cod. 1357. c. 49—52.

c. 53 pr. — § 2. § 4. ἐμπέση = —οι A. fol. 225<sup>v</sup>.

c. 57. στάπλον = σάλπον A. Cf. Hesych. Σάρπους κίβωτους· Βιθυννοὶ δὲ ξυλίνοὺς οἰκίας. Haec significatio optime lat. text. respondet „horreum ex tabulis ligneis factum, mobile“. V. Σάρος est etiam apud Ducangium et Stephanum (cf. Tip. ad Bas. 19, 8, 18). Et sic sanatur locus.

c. 59 pr. § 1. 2. 3.

## ΤΙΤΛΟΣ Β', ΒΙΒΛΙΟΥ Ν'.

c. 1 (α') pr. § 1. 2. 4. 5. 6. 14. 19 (a v<sup>is</sup> εἰ γὰρ). 20. 21.c. 2. § 1 (β'). 2. 3 (ὁ ἔχων ἀγρὸν . . . κἂν οὐδὲν αὐτῶν [sic] . . μετακινήσῃ). § 4 (usque) ad v<sup>a</sup> ἴδιον νέμεται. § 5. 6. 7. 8 (αὐτὴν ἀνεχώρησεν). § 9. 10. 11. 14 (propter homocotel. ceciderunt v<sup>a</sup> ἰχθύας — — λίμνη οἱ. § 15. 16. 17 (λάβοι). § 18 (μὴ μετακινήσῃς — — προεῖρησαι). § 21. 22.

c. 3 (γ'). Ἔτι.

c. 4 (δ'). c. 5. § 1 (λαθραίως . . βιαίως). fol. 83<sup>v</sup>.c. 6 (ε'). c. 7 (ζ'). c. 8 (η'). c. 10 (ι'). c. 11 (ια') pr. § 1 (tantum: οὐ κοιν. ἢ δ. τ. ν.). c. 12 (ιβ'). ἐὰν ἀνασπασθῶσι (etiam A. legit *Ei* λ.; sed probabilius emendandum est: οἱ λ.). § 4. 5.c. 22. § 2. c. 28 pr. § 6. μισθώσεις ἢ παραθήκη (sic). c. 36 (a v<sup>is</sup> πλέον δοκεῖ). c. 38 (λη'). c. 39. ἐπὶ παραφυλακῆν.

c. 40. § 2. c. 41 (μα'). c. 42 (μβ'). c. 43 (μγ'). § 1. 2. c. 44 pr. ὅπουδῆποτε πλ. § 3.

c. 45 (με'). c. 48 (μη') pr. c. 50 pr. c. 51. § 1. fol. 83<sup>v</sup>.

- c. 54 (νδ'). ἐναντιώθησαν (sic) — — δεχόμεθα —  
 c. 57 (νζ'). c. 58 (νη'). c. 60 (a v<sup>is</sup> *Εἰ δὲ καὶ τις*).  
 c. 61 (ξά'). ἀλλὰ ἀφ' οὗ γ. c. 62 (ξβ').

ΤΙΤΛΟΣ Γ', ΒΙΒΛΙΟΥ Ν'.

- c. 1 (α'). c. 2 (β'). Ἡ USUPRATίον (lege usurpatίον) διακ. τῆς διὰ χρόνιου νομῆς δεσποτείας ἐστίν.  
 c. 4. § 4. § 5. δεσπόζονται νομῆς.  
 fol. 244<sup>r</sup>. c. 4. § 6. usque ad v. ὑποστρέψῃ. § 15. 16. 17. κατέλλαξεν ἢ κατέβαλλεν. § 18. 20. τὸ ἀπὸ κλ. ἡεραίας. § 21. ἠνεχύρασα.  
 c. 5. ἐξωθησθέντος. c. 9. § 2. c. 12 (ιε') pr. § 1.  
 c. 14. § 2. ἀλλότριον καὶ ἐκπεσῶν.  
 c. 20 (κ'). c. 28 (κη'). οὐ κτᾶσαι (ita sane!) . . . σοὶ αὐτά: —  
 c. 30. § 4. usque ad v<sup>a</sup> αὐτῇ μένει.  
 c. 31. § 2. c. 33. § 5.  
 fol. 244<sup>r</sup>. c. 34 (λδ') (a v<sup>is</sup> ὡς τὴν γ. incipit c. λε'). Sequitur.  
 c. 35. ἢ διαδόχου.  
 c. 40 (μ'). κερδαίνοι.  
 c. 41 (μα') pr. Τοῦ ἐν ἀγν. ἀγ.  
 c. 43 pr. § 2. usque ad v. ἀλλοτρία ἦν.  
 c. 44 (μδ'). c. 51 (να'). c. 52 (νβ'). c. 54 (νδ'). c. 55 (νε').  
 fol. 226<sup>r</sup>. quat. λ[η'].  
 c. 57 (νζ'). c. 58 (νη'). ἀφελουμένου.  
 c. 59 (νθ'). οὐκ ἐνήγετο ἢ τῷ πε (sic) βίας . . . .  
 PRAEEdONA — — — ὅτι παρὰ γν. τ.  
 c. 60 (ξ'). παρεσαλεύθη . . . οὐδεὶς χρόνος τοῖς ἀποδοῖν ἐμποδίζει.  
 c. 61 (ξά').

ΤΙΤΛΟΣ Δ', ΒΙΒΛΙΟΥ Ν'.

- c. 1 (α') in fr. 2 pr. ἐν τῷ καιρῷ τοῦ συναλ. τ. κ. π. σκοποῦμεν. Ὁ ἀγοράζων ὡς ἀλλότριον τὸ δὴν τοῦ πρώτου διάθεσιν ἀγοραστοῦ ἔχει: — Qui emit putans alienum esse id quod est venditoris affectum emptoris habet.  
 sequitur § 6.  
 fol. 226<sup>r</sup>. § 7. 8. 9. ὑπερτεθισμὸν . . . ἀγοράσει . . . πωλήσει . . . § 15. περὶ νόμου πλ. § 19.  
 c. 2 (β'). c. 5 (ε') pr. § 1.  
 c. 6. § 3 (κλέψει . . . πωλήσει . . .). § 6 (πωλήσει).  
 c. 7 (ζ'). c. 8 (η') ἀπὸ δούλου λαβῶν . . . δεσπόζει διὰ τῆς χρονίας νομῆς.  
 c. 9 (θ'). c. 10 (ι'). Ὁ εὐλογος πλανώμενος ἀγοράσαι τ.

Basil. T. VII.

- c. 14. 15 (ιε') πωλήσω. c. 16 (ις'). 17 (ιζ') τῇ τῆς πρ.  
 c. 18 (ιη'). μετὰ τῶν καρπῶν ἀπαιτεῖται καλῶς ἐὰν cet. (plura exciderunt propter homoeotel).  
 c. 22 (ιβ').

ΤΙΤΛΟΣ Ε', ΒΙΒΛΙΟΥ Ν'.

- c. 5 (ι') pr. § 1.

ΤΙΤΛΟΣ ε'.

- c. 3 (γ'). c. 5 (ε'). c. 8 (η').  
 c. 9 (θ'). ἢδη ἔχει αὐτὸ κ. δ. ἢ δύναται. Con- fol. 92<sup>r</sup>.  
 gruit ergo A. cum cod. 1357. Lectio mihi placet: verto: nec qui putat sibi rem esse donatam statim eam pro donato possidet vel usucapere potest.

ΤΙΤΛΟΣ ζ'.

- c. 1 (α'). c. 2 (β'). c. 6. ὄρνεις (recte). c. 7 (ζ'). c. 8 (η').

ΤΙΤΛΟΣ θ', ΒΙΒΛΙΟΥ Ν'.

- c. 4. § 1. 2.

ΤΙΤΛΟΣ ι', ΒΙΒΛΙΟΥ Ν'.

In marg.: β. [ζ'] ἢ κὸ ἰ. δ' [l. λ].

In rubr.: περὶ τῆς διὰ χρ. cet.

- c. 1 (α'). c. 2 (β'). Πρᾶγμα οὐ cet. (sic). c. 3 (γ'). c. 4. τῇ χρονίᾳ νομῇ.

ΤΙΤΛΟΣ ΙΑ', ΒΙΒΛΙΟΥ Ν'.

- c. 1 (α'). διὰ τῆς χρονίου νομῆς (cfr. L, 3, 2). fol. 87<sup>r</sup>.  
 c. 2 (β'). c. 3 (γ'). τῷ πατρίῳ . . . ταῦτα ποιήσαι: —  
 c. 4. c. 5. διὰ χρονίας νομῆς.  
 c. 6 (ε'). c. 7 (ζ').

ΤΙΤΛΟΣ ΙΒ', ΒΙΒΛΙΟΥ Ν'.

- c. 1 (α'). c. 2 (β'). χρ. παραγραφῆς: —  
 c. 3. εἴκοσι ἐνιαυτῶν . . . τριακονταετερίδι . .  
 c. 4 (α' sic!).  
 c. 7 (ζ'). c. 8 (η'). εἴκοσι ἐνιαυτῶν . . usque ad fol. 87<sup>r</sup>.  
 v. πέντε ἐνιαυτῶν.  
 c. 10 (ι'). φιδεικομίσσου.

ΤΙΤΛΟΣ ΙΓ'.

- c. 1 (α'). usque ad v<sup>a</sup> τὸ βέβ. ἢ δωρεά: —

ΤΙΤΛΟΣ ΙΔ', ΒΙΒΛΙΟΥ Ν'.

- c. 3 (γ'). γέγονεν τὸ συνάλαγμα (sic) [et infra συναλάματος]. v<sup>a</sup> ἀπαιτοῦσι τὸ τίμημα παρὰ τοῦ bis repetuntur.

fol. 88<sup>r</sup>. c. 5 (ε). ἤρξαντο τοῦ ζῆν. περαιτέρω sic interpungit A. . . δι' ἐκβιβαστοῦ.

fol. 88<sup>v</sup>. c. 6 (ς). c. 7 (ζ). ἡ καὶ ἡ καὶ πλείονος (sic) . . . τοῦ ἡμετέρου ἐναντιοῦσθαι γιν. . . ὀχλείσεως (deinde corr. —ή—) . . . μετακινεῖσθαι (sequitur vacuum spatium 4 vel 5 litterarum) δὲ συντελείας . . . καταβαλεῖν . . . τοῦτο τῷ μ.

c. 10 (ι'). προάγουσιν (spatium vacuum) . . . πῆς . . . ἡ τῆν (spatium vacuum) ἀσθένειαν. A v<sup>is</sup> Ἐπειτα τοῦ ἰδ. δ. novum incipit thema . . . ἐσχάτην διέθεσιν (postea corr. διάγνωσιν). A v<sup>is</sup> Ὅπερ ἡμ. ἐπαι. novum incipit thema . . . ἐξείη ταύτην πληρωσάμενοι κελύμεν ἐξὸν καὶ ἡ ἐσχάτη . . .

fol. 93<sup>r</sup>. c. 11. μεταξὺ ἀπόντων. A v<sup>is</sup> Εἰ δὲ ἀγνοεῖ novum inc. thema . . . λέγειν ταῦτα τὰ πράγματα. ib. cap. 8. ἄλλους τουσοῦτους (sic).

## ΤΙΤΛΟΣ ΙΕ', ΒΙΒΛΙΟΥ Ν'.

c. 1 (α'). ὡς ἐρμηνεύοντες . . . περαιοῦνται . . . ζητοῦμεν γὰρ . . . οὐκ ἐτήρ?

c. 2. ὁσάκις (ὡς—) ἐὰν . . . καὶ μέμφηται εἴσω τ. χ. (A. τὸν χ—ον) . . . ὑπογεγραμμένοι . . .

fol. 93<sup>v</sup>. c. 3. λίβελλον ἔχοντα, ὅτι τὰς περὶ δ.

## ΤΙΤΛΟΣ Ις'.

In rubr.: π̄ προσκλύσεων.

c. 1 (α') ὃν ἐν τῷ μέσῳ καταλείψας.

c. 2. τοῖς ἐν ἀγρῶ γείτοσι.

c. 3. A v<sup>is</sup> Εἰ δὲ καὶ προτέρων novum inc. thema . . . οὐδὲ ἀπαιτεῖσθαι δύνανται: — A v<sup>is</sup> Ἔστι δὲ nov. inc. th.

## ΒΙΒΛΙΟΝ ΝΑ', ΤΙΤΛΟΣ Α'.

fol. 94<sup>r</sup>. c. 1 (α').

c. 2 (β'). εἴωθεν τὰ τῆ ἐπιτάσει.

c. 3 (γ'). ἀλλήλους.

c. 9 (θ'). A v<sup>is</sup> Οὐ πάντως.

c. 10 (ι'). οὐκ ἀντίκεινται.

## ΤΙΤΛΟΣ Β', ΒΙΒΛΙΟΥ ΝΑ'.

c. 1 (α'). c. 7 (ζ') pr. § 1 (δοῦλης ἐγκύου). § 2.

c. 10. § 8. c. 13 (ιγ'). ἀντῆς πράγματα. seq. usque ad v. ἀγωγῆ: — cet. om. A.

c. 19 (ιθ') pr. κωδικέλλοις.

c. 24 (κδ') et § 1 iungitur. πλησι (sic) . . . ἐν τῷ ποταμῶ.

fol. 94<sup>v</sup>. c. 26 pr. A v<sup>is</sup> Καὶ ὅτε γὰρ novum inc. thema.

## ΤΙΤΛΟΣ Γ', ΒΙΒΛΙΟΥ ΝΑ'.

In marg.: β. μδ' ἰ διγ'.

c. 7 (ζ'). A v<sup>is</sup> Καὶ ὁ χορ.

## ΤΙΤΛΟΣ Δ', ΒΙΒΛΙΟΥ ΝΑ'.

c. 1 (α'). § 2 et 3 iunguntur simul.

c. 4. § 20. κινεῖσθαι (—σθω) δὲ. § 21 (iungitur praei). § 22. § 25. cui iungitur init. § 26. usque ad v. ἀντίκ. δόλος. A v<sup>is</sup> Καὶ ὁ πλ. novum incipit thema usque ad v. περὶ μαινομένον: — cet. om. A.

c. 6 (ς). δάσει . . . βούλομαι.

c. 7. § 1. c. 8 (η'). ὅπερ ἐν διδόναι μέλλῃ (§ 1 iungitur principio) usque ad v. μὴ ἀπαίτησαι.

Fol. explicit. Sequebantur capita in fol. 88<sup>bis</sup> exciso, cuius tantum margo superest. In recto leguntur numeri ις', ιθ', ιθ', κα' (certo pertinent ad h. t.); deinde α', β' (tituli V<sup>i</sup>) et rursus α' (tit. VI<sup>i</sup>).

## [LIBER LII, TITULUS I.]

fol. 229<sup>r</sup>.

A v<sup>is</sup> συ]μνεοῦντος ἐνόχους (c. 4) ποιεινῶγονται (sic). § 4. 5.

c. 5. usque ad v. βλάψαι τινά. cet. om.

c. 6 (ς). ἐνπροθέσμοι.

c. 7 (ζ'). c. 12 (ιβ'). c. 21 (κ'). c. 22 (κβ'). ὡς μὴ ἐμπρ. καταβέλλῃ . . . οὔτε γὰρ ἄλλω (sic) . . . ἐνπροθέσμως καταβαλεῖν. . . μὴ εἴσω προθεσμίας . . . καταβαλλομένου . . .

c. 26 (κς'). c. 31 (λα'). c. 37 (λζ'). Hoc capite desinit pagina, in cuius fine scriptum est τέλος).

c. 38 (λη'). ἀντεξούσιος ἐρέχεται.

fol. 229<sup>v</sup>.

c. 44. § 5 iung. § 6 (μου πλ.).

c. 52 (μθ'). c. 53 (μγ' sic). c. 54 (μδ' sic). c. 56 (μς' sic). c. 58 (μη'). c. 60. § 1. συνίστασθαι χορ.

Librorum LIII—LIX quae in codice supersunt integra edidimus.

## ΒΙΒΛΙΟΝ Ξ', ΤΙΤΛΟΣ Α'.

fol. 117<sup>r</sup>.

In marg.: β. γ' ἰ διγ' ἰ. ζ'.

c. 1 (α') iung. § 1. καὶ δημοσίων ἐγκληματικῶν. ὑπόκειται δὲ καὶ τῷ νόμῳ τῶν κολάζοντι τοὺς ἄρχοντας καὶ τοὺς δικαστὰς καὶ συνέδρους ἐν δίκῃ κεκλοφάτας. Iung. § 2. 3. . . ἡ καὶ ἡ τῶν δημ.

fol. 117<sup>v</sup>.

c. 2 (β'). ἐτ. κελύων δοθῆναι. c. 3. § 3 (δ'). c. 7 (ζ') pr. εἰ μὲν κατὰ συμπάθειαν. c. 8 (η'). ἀποδειχθέντος καὶ τῆ ἀγωγῆ τῆ ἐντὸς τοῦ ἐναντιοῦ τὸ τετραπλοῦν

ἀπαιτούση, μετὰ δὲ τὸν ἐμιαυτὸν τὸ ἀπλοῦν, ὑπόκειται.  
 c. 9 (θ'). c. 10 pr. § 3 iunct. (ι'). c. 15. § 3. 4. c. 23 (κδ'). c. 24.  
 fol. 102<sup>r</sup>. Post pr. huius c<sup>is</sup> sequitur spatium vacuum XVI linearum (erat enim, ut videtur, archetypus lectu difficilis).  
 c. 32 (λβ') pr. δημοσίῳ δικαστηρίῳ κινδ. Post v. τύχης sequitur spatium vacuum 3 vel 4 litterarum: deinde ἄγοντες κ. ἀ.  
 c. 33 (λγ'). παρ' αὐτοῦ τοῦ κ. σ.  
 c. 34 (λδ'). περὶ ἐπεξελεύσεως . . . καταδικαστηρίῳ (sic) . .

ΤΙΤΛΟΣ Β'.

c. 1 (α'). ἐκδώσει . . ἢ τῆ ἀποτ. iung. cum pr<sup>o</sup> § 4. ἢ τὴν ἀπειρίαν τ. μ. iung. § 5. . . τὴν ἰδίαν τραχύτητα . . εἴπερ ἠδύναντο.  
 fol. 102<sup>v</sup>. Iung. § 6, 7. ἐνάγεται τῆ τοῦ δ. ἀπαιτήσεσι . . εἰ δὲ αὐτῶ καταπρ. ἢ καταψύχασθαι.  
 § 10. § 11. συμβάλλωσιν . . ἐκδίδεται ὁ ἐπελθὼν.  
 c. 3 (γ'). c. 4. UTILIA ἀγ.  
 c. 5. ὠσφρ.

ΤΙΤΛΟΣ Γ', ΒΙΒΛΙΟΥ Ξ'.

π. νομίμου cet.

c. 1 (α'). c. 2 (φρονέων postea corr. φον—). iung. § 2 αἴγαν (cfr. Steph. ad h. v.) . . συναριθμεῖται . . ἦν ἐκεῖνον τ. ἐ.  
 c. 3 (γ'). c. 4 (δ').  
 fol. 99<sup>r</sup>. c. 5. § 2. πεσοῦσα ἢ ἐπταετής . . καὶ τῆ περὶ κλοπῆς εἰς τὸ διπλάσιον ἀγωγῆ.  
 § 3. σωφρονίζεῖν ἐφεῖται . . ἐνέχεται δὲ τῆ ἀγωγῆ περὶ ὕβρεως . . ἐφ' ὕβρει . . iung. c. 6.  
 c. 7 (ς') pr. εἰς ἃ προφ. τ. τρ. Iung. § 1. κατ. οἴφδ. § 2. § 4. παγκρ. ἢ ἐτέρως ἐν δημοσίῳ ἀγῶνι τὸν ἀντίπ. . . ἀνελεῖ τ. δ. . . δεσπότη τοῦ ἐπιτρέποντος. Iung. § 5. καὶ τὸν etc. § 6. δεδωκὼς τῆ τοῦ διπλοῦ ἀπαιτήσεσι ὑπόκειται, ὡς ὁ δ. § 7. 8.  
 c. 9. Ἰατρίνα εἰ μὲν τῆ γυναικί . . χ|ρ<sup>~</sup> (pro χῶρα) . . χερσὶν οἰκείας ἰατρίνα . . Iung. § 1. ἐμβάλλει.  
 fol. 99<sup>v</sup>. c. 11 (ι') pr. ἐαντῶ ὀφείλει. § 1. κρατήση (corr. fuerat —ίσση) . . τῆ ἀγωγῆ τῆ IN FACTUM (I. factum) ὑπ. § 2. τῆ πληγῆ τίνος. § 3. . . ὑπόκειται: — § 4.  
 c. 15. § 1. usque ad v<sup>a</sup> ὡς φρονέσας: — cet. om.

c. 19. 20 (ιη'). c. 21 (ιθ'). τραυμ. θανατηφόρον. Iung. § 2.  
 c. 23 (κβ') pr. § 7. c. 27 pr. τῆ π. κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. Iung. § 2. usque ad v. κινεῖ. Desinit fol. Exceiderunt folia duo.

[LIBER LX, TITULUS IV.]

fol. 100<sup>r</sup>.

c. 1. A v<sup>is</sup> [ἐνθρωπ]ος ἢ καταδικη πεντήκοντα νομίμ<sup>τ</sup>. . . δεσπ. ποιήσει νοχαλία ἀρμόζει: — cet. om. Iung. § 2—3. κρημνῶσθαι. § 4. χωρὶς ῥαθυμίας. Iung. § 5. δίδονται καὶ οὕτω διπλοῦν. Iung. § 6. τὸ εἶρ. ὅτι ζῆ καὶ βλάπτεται, ὅσον δόξει τῶ δικ. . . ἢ τινος ἐτέρου: —  
 c. 5. § 6. ἰνφρακτοῦμ. A v<sup>is</sup> εἰ δὲ δ. novum incipit thema . . νοχαλία.  
 c. 5. § 11. τῆ ἼN NFACTUM (F corr. ex E). A v<sup>is</sup> οὐ περιμ. novum inc. thema . . χωρᾶ (sic) τῆ NIFACT || ||  
 c. 5. § 12. A v<sup>is</sup> Ἐὰν σκεῦος ζωγορ. ἐξ ὑπ. πεσὼν . . . || TIL || IN FACTUM. Iung. § 13. ἢ παροῦσα INFACΤ<sup>sm</sup> καθ.  
 c. 6. ἀλλὰ πρὸς τ. ὁδ. Iung. § 1. χωρᾶ (sic) . . γένηται: —

ΤΙΤΛΟΣ Ε'.

fol. 100<sup>v</sup>.

c. 1 (α'). Αἰ νοχαλία. c. 2. νοχαλία. Iung. § 1. Ὁ γὰρ μὴ κολ. . . . λέγονται. NOχα CAPCT SECCTITOP (noxia caput sequitur) . . . NOXALIOS . . κατὰ τῶν δύο δεκάδελτον ἐν. ὡς ἐπ' ἐκεῖνον . . διδοῦντος . . ἐπὶ δὲ τοῦ ἀκουλίου καὶ νοχαλίως . .  
 c. 3 (γ'). νοχαλίαις. c. 4 pr. τὸ ἐνέχεσθαι . οὐκ ἀ. δὲ . . τὸν γιν. (—v forte est cancellatum). § 1. NOχαΛΙΑ μόνος. § 2. καὶ νοχαλίω καὶ ἐνέχεται.  
 c. 5 pr. ἕκαστος αὐτῶν τῆ νοχαλία ὑπόκεινται. ἐνθα . . § 1.  
 c. 6 (ε'). καὶ ὁ αὐτὸς ἐλευθ. ἐνέχεται: —  
 c. 7 pr. νοχαλία . . ὁ κληρονόμος μου. § 1. Ἐὰν ὁ ἀγορ. ἐν. τῆ νοχαλία.  
 c. 12 (ι'). Ἐὰν κ. π. c. 13. νοχλία. fol. 97<sup>r</sup>.  
 c. 17. § 1. A v<sup>is</sup> Εἰ δὲ ὁ τ. δ. ἐ. μὴ θέλη.  
 c. 18. τ. χρ. ἐ. κατὰ τοῦ δεσπότη κινεῖ τὴν περὶ κλοπῆς εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. . . κατὰ τοῦ τὴν χρῆσιν ἐχ.  
 c. 19. § 1. τῆ νοχαλία: —  
 c. 21 pr. νοχαλία . . νέμεται . . § 1. παρόντος: — (sic). § 2. ἢ ὄρ[κον ἐπιφέρειν ἰ]δίῳ ὀνόματι: inclusa evanida prorsus sunt: cetera

- propter homoeotel. perierunt. § 3—4. *ἠέλη*  
 .. μὴ διεκδικούντες .. § 5. § 6. Ὁ ὁμό-  
 σαι μὴ δυνάμενος ἐὰν ἕστερον δυνήθῃ  
 . . . εἰς νοῦχαν . . .
- c. 22. § 3. *ἔχ. τὸν δοῦλ. ἢ προαγέτω.* § 4. Iung.  
 c. 23.
- fol. 97v. c. 26. § 4 (*κδ'*). § 6. A v<sup>is</sup> τοῦ δ. μὴ ἐκδ. usque  
 ad v. *περὶ κοινωνῶν.*
- c. 27. § 1 (*κε'*). A v<sup>is</sup> *Ἐκβάλλεται δ. π. incipit*  
*caput sequens (28 = κς')* *δίκαιως (sic)*  
 . . *νοχαλία* . . .
- c. 29 (*κς'*). c. 30. c. 31. *φραμηλία μ. κλ., τοσοῦτον*  
*δ. . . . ἐκδ. τινῶν ἡμαρτηκότων.* A v<sup>is</sup>  
*Καὶ ὅτε γὰρ novum inc. thema.*
- c. 36 (*λβ'*). *ἐπ' αὐτοῦ διὰ τῆς περὶ δούλων ἀγω-*  
*γῆς (est scilicet inepti cuiusdam graeculi*  
*interpretatio latinae vocis servianῆς) . .*  
*νοχαλία* . . . des. fol. Exceiderunt folia duo.
- fol. 98r. [BAS. LIBER LX, TITULUS VI.]
- c. 31. A v<sup>is</sup> *πράγματα κ. π. . . . καὶ τῇ εἰς τὸ*  
*διπλοῦν ἀγ.*
- c. 33 (*λβ'*). *τὸ διατρέψαι . . . τῇ εἰς τὸ διπλοῦν ἀγ.*
- c. 34 (*λγ'*). *κατὰ τῆς γυναικὸς ἀγωγὴν περὶ τῶν*  
*σ. κλ. π. ἐγκλημα . . μίμησιν τῆς περὶ*  
*κλεπτῶν ἀγ. . . . . ψηλαφ. πράγματα*  
*κατέχεται ταῖς εἰρημέναις ἀγωγαῖς ἐγ-*  
*κλήματι. πλὴν περὶ τὴν ἀπαίτησιν τῶν*  
*πραγμάτων δύνανται.*
- fol. 98v. c. 35 (*λδ'*). *εἰς τετρ.* c. 36 (*λε'*). c. 37 (*λς'*). *τῷ*  
*δούλῳ τῷ ἀλλοτρίῳ . . ἀρμόζει καὶ ἡ π.*
- c. 38. A v<sup>is</sup> *Εἰ δὲ ἐλεύθερος καλῇ π. . . . νοχαλία*  
*τρακταῖσθῆναι οὐ δύναται: —*  
 Sequitur deinde *Πρόδηλον ὅτι ἡ κτλ.* ut in  
 scholio Thalelaei, quod est apud Heimb.  
 V 404 relatum. Verba artis latina graece  
 sunt reddita, ut ecce: *ἡ περὶ κλοπῆς εἰς τὸ*  
*διπλοῦν ἀγωγὴ . . . τὴν περὶ κλοπῆς ἀγω-*  
*γῆν εἰς τὸ διπλοῦν . . τῇ περὶ τοῦ χρησ-*  
*θέντος ἀγωγῇ . . . τὴν περὶ κλοπῆς . .*  
*τὴν περὶ κλοπῆς ἀγωγὴν . . . εἰ ὀφείλει*  
*. . . τὴν περὶ κλοπῆς εἰς τὸ διπλοῦν*  
*ἀγωγὴν . . . τὴν περὶ κλοπῆς . . . τὴν*  
*τοιαύτην ἀγωγὴν. . . . κελεύει, ἵνα ὁ δ.*  
*ἐξουσίαν ἔχῃ ἢ τὴν π. κλοπῆς κινήσαι*  
*κατὰ τοῦ κλέπτου ἢ τὴν ἐπὶ τῷ χρησ-*  
*θέντι ἀγωγὴν κατὰ τοῦ χρησαμένου.*  
*ἀλλ' εἰ μὲν ἐπιλέξεται, αὐτὸν μὲν μηκέτι*  
*ἔχειν τὴν περὶ κλοπῆς κατὰ τοῦ κλέπτου,*  
*τὸν δὲ χρησαμένου καὶ ἐναχθέντα τῇ*  
*ἐπὶ τῷ χρησθέντι αὐτὸν τὴν περὶ κλο-*

*πῆς κινεῖν. τότε μέντοι ὅτε ὁ δεσπότης*  
*εἰδὼς τὴν ἐπὶ τῷ πραγμ. cet. ut in*  
 c. 39. § 1 (p. 403, l. 8).

Iung. § 2. *τὴν ἐπὶ τῷ χρησθέντι ἀγ. . . .*  
*ἐκίνησεν τὴν ἐπὶ τῷ χρησθέντι ἀγ. . . .*  
*ὁ δεσπότης ἀγρονζόμενος . . . A v<sup>is</sup> Ταῦτα*  
*δὲ τὰ εἰρημένα ἡμῶν . . . ἄπορός ἐστι*  
*κατὰ πάντα . .*

*Ἦν δὲ καὶ δευτέρα ζήτησις ἐν τῷ αὐτῷ fol. 103r.*

*θέματι τοιαύτη. Ἐὲν ὁ χρησάμενος etc.*  
 ut in § 3. . . *τὴν περὶ κλ. κινήση . . .*  
*διπλάσιον ἢ τὸ τετραπλάσιον . . . τῇ*  
*ἐπὶ τῷ χρησθέντι. Post v<sup>a</sup> παρὰ τοῦ δ.*  
*τοῦ πρ. haec sequuntur: πρότερον μόνον*  
*τὸ πρᾶγμα δίδωσιν, εἰ μὴ τι καὶ τὸ*  
*πρᾶγμα καὶ τὴν ποιήν, ἣν ἠδυνήθη*  
*λαβεῖν. κινεῖ [—ῆ] γὰρ τὴν περὶ κλο-*  
*πῆς ἀγωγὴν καὶ τέμνει τοῦτο καὶ ἡ διά-*  
*ταξις, ὅτι οὐ μόνον τὸ πρᾶγμα, ἀλλὰ*  
*καὶ τὴν ποιήν λαμβάνει. ὃν γὰρ τρό-*  
*πον αὐτῷ κινδυνεύεται ἡ τ. πρ. ἀπ., τ.*  
*α. τρ. καὶ κερδ. ὄφ.*

*Ἐπιφέρει καὶ τρίτην ζήτησιν ἣν καὶ αὐτὴν*  
*ἐπιλύει. ζητεῖ γὰρ: Ἐὰν ὁ ἀνὴρ ut in*  
 § 4. . . *παρ' αὐτοῦ, μόνος ὁ δεσπότης*  
*τοῦ πράγματος δύναται κινήσαι τὴν περὶ*  
*κλοπῆς εἰ μὴ τι καὶ ὁ ἀνὴρ ὡς ἐναγόμε-*  
*μος τῇ ἐπὶ τῷ χρησθέντι ἀγωγῇ ἔχει*  
*καὶ αὐτὸς τὴν περὶ τῆς κλοπῆς κατὰ*  
*τῆς ἰδίας γαμετῆς παρὰ τὸν κερῶνα τὸν*  
*λέγοντα, ὅτι ἀτιμοποιδὸν ἀγωγὴν ἀνὴρ*  
*οὐ κινεῖ κατὰ τῆς γυναικὸς. καὶ τέμνει*  
*καὶ ταύτην τὴν ζήτησιν, ἵνα εἰ μὲν ὁ*  
*δεσπότης τοῦ πράγματος ἐπιλέξεται τὴν*  
*περὶ κλοπῆς, κινήση κατὰ τῆς γυναικὸς.*  
*εἰ δὲ τὴν ἐπὶ τῷ χρησθέντι ζητήσῃ, κατὰ*  
*τοῦ ἀνδρὸς τοῦ χρησαμένου κινήσαι, ἵνα*  
*ὁ ἀνὴρ μὴ τὴν περὶ κλοπῆς, ἀλλὰ τὴν*  
*περὶ ἀφαιρέσεως πραγμάτων κινήση κατὰ*  
*τῆς γυναικὸς: —*

*Ταῦτα εἰ μὴ εὐπορός ἐστιν ὁ ἀνὴρ. εἰ δὲ*  
*εὐπορός ἐστιν ὁ ἀνὴρ cet. ut in § 4.*  
*τὴν ἐπὶ τῷ χρησθέντι ἀγ. . . . καὶ*  
*ἄγεσθαι . . .*

ΤΙΤΛΟΣ Ζ', ΒΙΒΛΙΟΥ Ξ'.

περὶ φηγάδων δούλων: —

In marg.: β. α' τ. διγ'. ι. δ'.

- c. 1 (*α'*) pr. *τὸν φυγ. κρύπτων.* Iung. § 1. us-  
 que ad v<sup>a</sup> *κρ. αὐτόν: — § 3. 4. κρατῶν*  
*φυγ. δημοσίᾳ παρ. . . . ἀσφαλὲς φ.* Iung.

fol. 103<sup>v</sup>. § 5. 6. *δημ. ἀντουργία*: — Animadvertendum est Clem. Alexandr. *Paedag.* p. 228 de servis sic loqui: *φρεύοντες ἀντουργίαν καὶ αὐτοδιακονίαν.* § 7—8. *προγράφεσθαι δεῖ* (et ita sanatur locus).

- c. 2 (β'). *φυγάδες ἀποδ. τ. δεσπότης*: — cet. om.  
 c. 6. A v<sup>is</sup> οὐδὲ ἢ διὰ κτλ. c. 7 (ζ'). c. 8 (η'). *ποῦς αὐτῶ κ.* c. 9 (θ'). *ἀποδίδωσι μεθ' ἑτέρου ὁμοίου αὐτὸν αὐτῶ. εἰ δὲ . . . ἦτοι τεσσαράκοντα καὶ ἐξήκοντα . . . εἰ δὲ ἐλαύσατο* (sic) *ὁ δ. . . ὁ ἐναγόμενος δεξάμενος* etc.  
 c. 11 (ια'). *Πολλάκις ὑποδ. — — ἀλλ' ἢ νέμ. καλῆ πίστις ἢ ὡς ἐλ. ἐκδικεῖν — — ὁ δ. βασανίζεται . .*

## ΤΙΤΛΟΣ Θ', ΒΙΒΛΙΟΥ Ξ'.

- fol. 118<sup>r</sup>. c. 1 (α') pr. *τὸ γὰρ διδ. τῶ μετρ. hÑραρ || v ἐστίν*: — schol. ÷ *ἀντίδωρόν ἐστιν ÷* (lege in textu: honorárium).  
 c. 3. § 4. *προσληφθεὶς βλάβει.* § 5. *Δίδεται ἢ ἀγωγή κληρ. οὐ μὴν καὶ* (sic) *κλ.*  
 c. 5. § 2. c. 6.

## ΤΙΤΛΟΣ Ι', ΒΙΒΛΙΟΥ Ξ'.

In marg.: β. γ' ἰ. διγ'. ἰ. α'.

- c. 1 (α'). *μόνῳ δεσπότη . . καὶ ἄνηβοι ἀναγκαιῶς.* Iung. c. 2.  
 c. 3 (β'). *γραφεὶς κληρονόμος . . ἀπαιτεῖται καὶ.*  
 c. 4 (γ'). A v<sup>is</sup> *δύναται τὸν δοῦλον novum incipit caput* (δ').  
 c. 5. *τὸ κλοπημαῖον ἀπ.*  
 c. 6 (ς'). *τῆ π. κλοπῆς εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.*  
 c. 7 (ζ') pr. *κλοπῆς τὸ διπλοῦν ἀπαιτούσῃ ἀγ.* Iung. init. § 1. A v<sup>is</sup> *Ὁ ὑποστάς novum incipit thema: περὶ κλοπῆς ἀπαιτοῦσαν τὸ διπλοῦν ἀγ. . . καὶ τὴν π. ἀποκρουβέντων*: — cet. om.  
 c. 9 (θ'). c. 10 (ι'). c. 13. *καὶ ὅτι γὰρ ἀνέξῃσει ὁ κλ. ἐπταετῆς ὡς νέως* (sic) *ἀπ.*  
 fol. 118<sup>v</sup>. c. 14. § 2. *κράται καὶ τοῖς κέρ.* Iung. § 2.  
 c. 15 (ις'). *κλοπῆς εἰς τὸ διπλοῦν ἀγ. ψηλαφήση.*  
 c. 19 (ιθ'). *εἰς τὸ πεκούλιον*: — c. 20 (κ'). *περὶ κλαπέντος.* c. 21 (κα'). c. 22 (κβ').

## ΤΙΤΛΟΣ ΙΑ'.

- c. 1 (α') pr. *οὐ δεῖ τῆ π. κλ. εἰς τὸ διπλοῦν ἐν.* Iung. § 1. *κλ. εἰς τὸ διπλοῦν ἀγ.*  
 c. 2 (β') pr. — § 3. *ἀπαιτούσα . . εἰς τὸν τῆς προκατ. . . ἀναιρεῖται ἢ ἄλλη*: —

- c. 2. § 4. *κλοπῆς εἰς τὸ διπλοῦν ἐνέχ.* § 5. *τοῦς τρ. αὐτῆς, ἐνέχ. κ. τ. π. κλ. εἰς τὸ διπλοῦν . .* Iung. § 6. *τραυματίσας τῆ π. κλ. εἰς τὸ διπλοῦν καὶ* cet. c. 3 (γ'). fol. 105<sup>r</sup>.

## ΤΙΤΛΟΣ ΙΒ'.

- Inc. a c. 2 (β'). *εἰς ἰ γένη.* c. 3 (γ'). Iung. c. 4. 5. pr. § 1. *φανερῶς κλ.*  
 c. 6 (δ'). *φανερῶς.* c. 7 (ε') pr. c. 7. § 1 (ς'). *κουψισαυτον . . φονευθεὶς . . φανερῶς.* Iung. § 2—3.  
 c. 8 (ζ'). c. 9 pr. (η'). *κλοπῆς εἰς τὸ διπλοῦν ἀγ. . . συνεχούσης ψ.*  
 c. 9. § 1 (θ'). *τῆς τὸ κλοπιμαῖον ἀπαιτούσης. εἰ δὲ . . τὴν ἀποτίμησιν . . περὶ πράγματος . . τοῦ* (suppl. 1<sup>a</sup> m.) *ἀποδοῦναι.*  
 c. 10 (ι'). *κλοπ. εἰς τὸ διπλοῦν ἀγ.* Iung. c. 11.  
 c. 12 (ια'). *κλοπ. εἰς τὸ διπλοῦν ἀγ.* Iung. § 1.  
 c. 12. § 2. *Καὶ ἐπὶ τῶ ἐνεχύρω . . κλοπ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀπαιτήσιν.* fol. 105<sup>v</sup>.  
 c. 13. *κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀπαιτήσιν καὶ ἐχωρεῖ καὶ αὐτὴν* etc. ut in c. 14 pr. Iung. c. 14. § 1. *κλοπῆς εἰς τὸ διπλάσιον ἀπαιτήσει.* § 13. *Ἐὰν ὁ ὑπ. κλοπῆ . . περὶ κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. § 16. κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. . . καὶ τοῦ ἐνεχύρου*: —  
 c. 16 (ις'). *κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.* c. 17. § 2. *κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. . . λόγῳ τοῦ κλ.* c. 17. § 3. *κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. . . ὀνόματι δὲ τοῦ φυγάδος . . περὶ κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.*  
 c. 18. *οὐ κῶ* (sic) *τ. π. κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.*  
 c. 19 (ιθ'). *τὴν π. κλ. εἰς τὸ διπλάσιον*: Iung. § 2—4.  
 c. 19. § 6. *τῆ π. κλοπῆς εἰς τὸ διπλάσιον ἀγωγή.* fol. 96<sup>v</sup>.  
 c. 20 (κ) pr. *π. κλοπῆς εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. . . ἢ π. κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγωγή.*  
 c. 20. § 1. *ἔχεις ἐπ' αὐτῶ . . τῆ π. κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγωγή . .*  
 c. 21. *μέρος ὑφέληται . . ψηλαφήσας ἀναχωρ. . . ὁ λήϊον . .*  
 c. 21. § 1. *γινώσκοντα . . ἀγωγή εἰς τὸ διπλάσιον . .*  
 c. 21. § 2. *ἢ τοῦναντίον, ἐπὶ τῶ κλαπέντι . . εἰς τὸ διπλάσιον ἀγωγή.* Iung. § 3. *π. κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.*  
 § 4. *Εἰ δὲ καὶ τὸ . .* § 5. 6. *μιστέρνης.*  
 § 7. *ἐπὶ τὸ κλέψαι . . καὶ τὸ περὶ βίας.*  
 § 8. *ἐμβούρουκλον . . βαστάσαι . .* A v<sup>is</sup> *Εἰ δὲ τὸ ἐμβούρουκλον novum inc. thema.*

- fol. 96<sup>v</sup>. § 9. *περὶ κλοπῆς εἰς τὸ διπλάσιον ἀγωγῆ* ἐνέχεται: —  
 § 10. *οὐκ ἐνάγεται τῇ περὶ κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγωγῆ.*  
 c. 22 (κβ'). *ὁ κλέπτης . . . κλοπῆς εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.*  
 c. 24. § 1. 2. *ἐπὶ τὸ κλ. . . ἐνότια τὰ ἐκ κ. . . κλοπῆς εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. . . κλοπῆς εἰς τὸ διπλ. ἀγ.*  
 c. 23. 24 pr. (κγ'). *δόλου καὶ ῥαθυμίας . . . ὑπόκειται καὶ τῇ ἀπαιτήσει τοῦ διπλασίου τῆς κλοπῆς ἀγωγῆ. . . ἄλλο κλέπτοντι . . . κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.*  
 c. 25 (κδ') pr. *κλοπῆς εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.* § 1. *ἐξελάσθη* (de more: optime). § 2.  
 c. 26 (κε'). c. 26. § 1 (κς'). *κλοπῆς εἰς τὸ διπλάσιον ἀγωγῆν.*  
 c. 27 (κς'). *ὡς μὴ κεχρεοστημένος.* § 1. 2. 3.  
 fol. 101<sup>r</sup>. c. 28 (κη'). *κλέψας ἀπέλειψεν . . .*  
 c. 29 (κθ'). v. *πραγμάτων bis scriptum.* καὶ τῇ περὶ τῶν ὑπαρχόντων: — c. 30.  
 c. 31 (λ') pr. *Καὶ εἰκόνα καὶ βιβλίον.*  
 c. 31. § 1 (λα'). c. 33 (λγ'). *ὑπόκειται τῇ περὶ κλοπῆς εἰς τὸ διπλάσιον ἀγωγῆ.*  
 c. 34 (λδ'). c. 35 (λε'). *διακομίσει καὶ συλληφθῆ μ. ἐ. κλέπτης φανερός.*  
 c. 35. § 1. *Ἐάν εἷς . . . ἐνέχεται: —*  
 c. 36 (λς'). *τῇ π. κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.* Ὁ γὰρ κακῶς συμβουλεύσας οὐχ ὑπόκειται τῇ περὶ κλοπῆς εἰς τὸ διπλάσιον ἀγωγῆ,<sup>1</sup> εἰ μὴ (haec in edd. exciderunt propter homoeoteleuton) . . . χωρὶς τούτου ἵνα κλαπῆ συνεβούλευσεν . . . τῇ π. κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγωγῆ: — Deinde novum inc. thema: *Ἐάν τις τὸν φυγ.*  
 c. 36. § 1. *τῇ περὶ κλοπῆς εἰς τὸ διπλάσιον ἀγωγῆ — — — τῇ περὶ κλοπῆς εἰς τὸ διπλάσιον ἀγωγῆ: —*  
 Deinde rursus repetuntur *Ἐάν τις τὸν φ.* et cetera usque ad finem § 1<sup>ae</sup>.  
 fol. 101<sup>v</sup>. § 2. c. 37 (λς'). *ἐπιδιώξῃς — — — περὶ κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.*  
 c. 38 (λη') pr. *εἰς τὸ διπλάσιον ἀγωγῆν.* Iung. § 1 ubi rursus *π. κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.*  
 c. 39. Ὁ ἄρπαξ ἢ ὁ ἀποκρ. . . οὔτε ἡ περὶ κλοπῆς ἀγωγῆ (sic) εἰς τὸ διπλάσιον κατέχεται . . . θυρίδας τις κλάσει πόρνης — — κλέψωσι — — εἰς τὸ διπλάσιον ἀγωγῆ: —
- c. 40 (μ). ἢ ἑτέρω πράγματι.  
 c. 41 (μ'). Iung. § 1. *εἰς τὸ διπλάσιον ἀγωγῆν: —*  
 c. 41. § 2. *εἰς τὸ διπλ. ἀγωγῆ . . . ἐνάγεται ὑπεξούσιος ὄν ἢ ὁ ἐχ.* § 3. *εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.*  
 c. 43 (μγ'). *εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. ἐν.*  
 c. 43. § 4. *ἐπὶ τὸ κερδᾶναι . . . εἰς τὸ διπλάσιον ἀγωγῆ: —* Iung. § 5. c. 43. § 6. Iung. § 7. 8. *ἐπὶ τὸ ἀποδοῦναι . . . εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.* Iung. § 9.  
 § 10. *οὐχ ὡς ἀπρονοήτον ὑπέλαβεν αὐτὸ ὁ λαβῶν, εἴτε μὴ, οὐχ ὑπόκειται τῇ περὶ κλοπῆς εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ[ωγῆ].*  
 § 12. *π. κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. . . συνισταῖ τὸ μέρος (sic) . . . χρῆσιν μόνον . . .* fol. 108<sup>r</sup>.  
 c. 44. § 2. *πράγματα . . . κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγωγῆ, οὐδέποτε γὰρ αὐτοῦ γέγονεν: —*  
 c. 46 (μδ'). *περὶ κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.*  
 Deinde sequitur (et quidem iusto loco) c. 45: *σώζεται καὶ ἡ διπλασίονος τῆς ποιῆς ἀπαιτήσις καὶ ἡ τοῦ πράγματος.* Iung. c. 46. § 1. *ὁ τὴν χρ. ἔχων . . . κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.* Iung. § 2. *ἐκάστου (om. καὶ).*  
 c. 46. § 6. *περὶ κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. . . ἐπὶ τὸ κρ.*  
 ib. § 9. *ἀρμόζει ἢ περὶ κλοπῆς εἰς τὸ δ. ἀγ.*  
 c. 47 (μς'). *κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. . . καὶ ἀγαθῶν δ. καὶ τῷ νόθῳ.*  
 c. 48 (μς'). ἢ τῷ τετραπλασίῳ. Iung. § 1.  
 § 2. *ὑποδεχόμενος.* § 3. *ἐπὶ τὸ ἀποκρῆναι.*  
 § 4. *κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. . . κατὰ τοῦ κλέπτου: —*  
 § 5. *περὶ κλ. εἰς τὸ διπλάσιον . . . περὶ θρημμάτων: —* cet. om. § 6. *φοράδων.*  
 c. 50 (ν') pr. § 1. *γίνεται.* Iung. § 2—3. *δὲ ὑπηρεσίαν.* § 4. *ἐνέχ. τῇ περὶ κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.*  
 c. 51 (να'). c. 52 (νς': sic) pr. *κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.* Iung. § 1—2. *οὐκ ἐνέχεται . . . κλέπτοντι ἐνέχεται τῇ π. κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.* Iung. § 3. *κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.* Iung. § 5. — § 6. *οὐτιλίαι φούρτι ἀρμόζει . . .* § 7. *τὸ κρῆναι . . . κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.* § 9. *ἐπὶ τὸ κ. δ. ἢ τῷ νόθῳ κλ. . . κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.* § 10. *κλ. εἰς τὸ διπλάσιον.* § 11. *κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.* § 16. *νομμ. ἐπὶ τὸ . . . σοι (sic) δὲ αὐτὸ παράσχης . . . κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.* § 17. 18. *εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.* § 20. *φοράδας . . . ὑπόκειται τῇ περὶ κλοπῆς εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. εἰ δὲ μὴ, τῇ διπλῇ ἀπαιτήσει: —* fol. 111<sup>r</sup>.

<sup>1</sup> Qui enim malum consilium dedit non tenetur furtili actione in duplum etc.



- § 21 usq. ad v<sup>a</sup> σὺ ἕτερον (bis repetita), sequitur deinde § 22 ὑποβάλλει . . κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. § 25. λινέα. § 30 (υγ'). usque ad v<sup>a</sup> οὐκ ἐνέχεται: —
- c. 54 (νε') pr. § 1. κηρῶν καὶ ὁ κλέπτων ἐπὶ τὸ δ. . . περὶ κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. § 3. ἐκδίκησις καὶ ἡ τοῦ πράγματος ἐκδίκησις καὶ τοῦ πρ. καταβλ. § 4. ἐπὶ τὸ γ. . . περὶ κλ. τοῦ διπλοῦ ἀγ. § 5. περὶ κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.
- In fr. 54. § 2: Τὸν νυκτέρινον . . ἐὰν ἄλλος διαφύγη (sic) . . φρον. οὐκ ἠδύνατο . . A v<sup>is</sup> Τὸν δὲ ἡμερινὸν novum inc. thema; item a v<sup>is</sup> Οἱ δὲ νυκτὶ κλ. ἐξ ΤΡΑΟΡδινεμ κολάζονται . . ὁ δὲ ἐν ἡμ. κλ. ὀρδινεμ ἐνάγεται καὶ τὸν οἰονδήποτε . . τοῦ μὴ ἀποθανεῖν ἀνελῶν τ. κλ. οὐχ ὑπόκειται τῷ ἀκουίλω, εἰ μὴ . . νόμῳ ἐνέχεται: —
- c. 55 (νε'). αὐτὸ. c. 56. § 2. λύεται τὸ αἷτιον. § 3. Ἐὰν ὁ δοῦλος τὸ ἴδιον πρᾶγμα κλέψη . . § 4. § 5. . . ἐπὶ τῷ ἀργύρῳ: —
- c. 58 (νθ'). c. 60 (ξα'). Ἡ φυγὰς δούλη.
- c. 62 (ξγ'). τῷ φεύγοντι.
- c. 63 (ξδ'). c. 65 (ξε'). c. 66 (ξζ') pr.
- fol. 110<sup>v</sup>. c. 66. § 1. ἡ περὶ κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. bis. § 2. περὶ κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.
- c. 67 pr. κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. . . αὐτό: — § 2. Ἐὰν ὁ κλαπέις μὴ ὦν ἑπταετῆς . . κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. A v<sup>is</sup> Ἐὰν ὁ κλ. novum thema. ὑφέληται καὶ πάλιν . . κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. § 3. κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. § 4. κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.
- c. 73. περὶ κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. c. 74 (οε').
- c. 76. § 1. κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. . . . καθ' ἑτέρου . . . περὶ κλ. εἰς τὸ διπλάσιον . . . κατὰ τοῦ ἄλλου: —
- c. 77 (οη'). Ὁ κλέπτων σάκκον νομῦ. (νομισμάτων) . . . περὶ κλ. εἰς τὸ διπλάσιον . . . κλέψαι: — cet. om.
- c. 78 (ιθ' sic: l. οθ'). ἐν αὐτῷ (sic) . . . κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.
- c. 80. πλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. § 1. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. § 3. 4.
- fol. 110<sup>v</sup>. c. 82 (πγ') pr. δοθεῖσιν αὐτοῖς, κλέπτουσιν: — § 1. κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. § 2. πόρνην κρύψας . . . κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. § 3.
- c. 83 (πδ') pr. c. 86 (πζ'). c. 87 (πη'). κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. c. 88 (πιθ'). περὶ βίας πρ. . . τὴν περὶ κλοπῆς εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.
- c. 89 (ιγ') πρόσφυξ ἢ ὁ μισθωτὸς . . . κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.
- c. 90. § 1. c. 91 (ιβ'). π. κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ.
- c. 92. ὡς ἐπὶ πάντων . . . κλ. εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. κινεῖται, γραφεῖς (sic) . . . διὰ τὴν ἐξ τῶ ὀρδινεμ ἐπεξ. In marg. nullum schol.
- c. 93 (ιγ') pr. In marg. β. μδ' (sic) τ. γ'. ἀμπέλφ. fol. 135<sup>v</sup>. Iung. § 1. 2 sed om. v. ἐνέχεται propter homoeotel.: καὶ τῇ περὶ ἀποκουβέντων πραγμάτων ἀγωγῇ ad exhibendum οὐχ etc.
- c. 94. σώζεται ἢ IN REM.
- ΤΙΤΛΟΣ ΙΓ', ΒΙΒΛΙΟΥ Ξ'.
- In rubr.: om. καὶ ante μετὰ . . ὑφ' ἀργάξαι (sic) λέγεται.
- c. 1 (α') pr. οὐτίλιε ἀγωγῇ εἴσω ἐνικουτοῦ. § 1.
- c. 2 (β'). ἀρμῶσαι (sic) . . A v<sup>is</sup> Καὶ ὁ οἴος-δήπ. novum incipit thema . . . οὐ αὐτοῦ (sic) . . γινομένην. c. 3.
- ΤΙΤΛΟΣ ΙΔ', ΒΙΒΛΙΟΥ Ξ'.
- Rubr.: κλοπή κατὰ τῶν κλητῶν καὶ πανδοχέων.
- In marg.: β. μζ' τ' διγ' τ. ε'.
- c. 1 (α') pr. κλοπῆς εἰς τὸ διπλάσιον ἀγ. Iung. § 4. κλ. εἰς τ. δ. ἀγ. § 5. εἰς νόχαν.
- ΤΙΤΛΟΣ ΙΕ', ΒΙΒΛΙΟΥ Ξ'.
- In rubr.: φαρμῆλια.
- c. 1. ἔμα om. ἐκδοῦναι εἰς ἀνάκρισιν ἢ. Iung. § 1. δούλου νοχαλιῶς ἐναγ. A v<sup>is</sup> γινώσκαι δὲ cet. om.
- § 3. τοσοῦτω (sic). Iung. init. c<sup>is</sup> 2<sup>i</sup> usque fol. 135<sup>v</sup>. ad v. πράγματος.
- c. 2 (β'). A v. εἰ δὲ ἄπ.
- c. 3 (γ'). A v<sup>is</sup> εἰ δὲ αὐτὸς cet. om. Sequitur finis c<sup>is</sup> 6<sup>i</sup> a v<sup>is</sup> τοὺς ἐν φ.
- ΤΙΤΛΟΣ Ις'.
- c. 1 (α'). δυοκαδέλτου (sic).
- c. 3 pr. — § 4. ἴσταται. Iung. § 6. 7. δένδρον . . . εἰσὶ, εἴτε . .
- c. 4 (δ'). c. 5. τέμνειν ἐστίν. A v. κατατέμνειν novum incipit thema, cui Iung. § 1. § 2—3. ὥσπερ καὶ ἡ περὶ ὕδατος κώλυσις.
- c. 6 (ε'). τέμνουσι . . ἔχεται (sic). Iung. § 1. — fol. 116<sup>v</sup>. § 2. A v<sup>is</sup> Εἰ καὶ αἱ ῥίζαι novum inc. th.
- c. 7 pr. ἐπὶ τὸ λ. Iung. § 1. κλ. εἰς τὸ διπλάσιον.
- c. 9 (θ'). c. 10 (ι'). c. 11 (ια'). τοῦ περὶ βίας.
- c. 12 (ιβ'). c. 13 (ιγ') pr. ἐκτεμνεῖται αὐτό (sic). Iung. § 3—6. ὁ δεσπότης τοῦ δένδρου

- ( $v^a$  ἐκκόπτει αὐτὸ om.). § 7. 8. δωδεκά-  
δέλτος. Iung. § 9 (μου post ἀγορῶ om.).  
c. 14. δυοκαίδεκαδέλτου . . οὕτως.
- ΤΙΤΛΟΣ ΙΖ', ΒΙΒΛΙΟΥ Ξ'.
- In rubr.: βία.  
In marg.: β.  $\tau$   $\delta\gamma$ .  $\acute{\epsilon}$ .  $\eta$ '.
- fol. 116 $\nu$ . c. 1 ( $\alpha'$ ). περὶ βία πραγμ. . . ἀρπαγῆς ἀγωγῆ κιν.  
c. 2 ( $\beta'$ ) pr. τινος post δόλον om. ἐστιν, νοξαλία  
ἀρμόζει: — ( $v^a$  κατὰ τοῦ δ. om.)  
c. 2. § 1. χρηματικῆ ἀγ. ιδιωτικῆς (sic, ut vid.)  
ἀγωγῆ καὶ οὐ γίνεται πρόκριμα τῶ δη-  
μοσίῳ, ἐάν τις τὴν ιδιωτικὴν ἐπιλέξῃται: —  
c. 2. § 2—7. χώρα τῶ ἐδίκτω παραγγέλματι.  
§ 8. δόλον (sed corr. videtur). § 10. § 13.  
§ 14 (A  $v^{is}$  τῶ δὲ ὀνόμ. novum inc. thema).  
Iung. § 15. — § 16. εἰς ἐξέτασιν π. Iung.  
§ 17 (v. παροῦσα om.). Iung. § 18 (δὲ  
initio om.). καὶ διὰ τοῦτο . . ἴδ. τις ἀρ-  
πάσῃ . . A  $v^{is}$  Οὐδὲ ὁ τὸν φ. novum  
inc. thema.  
§ 19. νοξαλίος . . § 21. αὐτῶ.  
fol. 145 $\nu$ . [c. 2. § 21.] ἀπέλασθέν. § 25. 26. ἡ π. κλ. εἰς  
τὸ διπλάσιον . . καὶ καθ' ἕκ. ἐκδ. § 27.  
c. 4 pr. εἴσω μὲν οὐτίλιον ἐνιαυτοῦ εἰς τὸ δι-  
πλάσιον. Iung. § 3. μάχη καὶ ὁ θ. [lege  
μ. καὶ οὐ]. Iung. § 4. ἐφ' ὁ. Iung. § 5.  
δόλον τῆς ζ.  
c. 4. § 6. A  $v^{is}$  καὶ διαφέρει novum inc. thema:  
ὅτι ἐκεῖ μὲν κινεῖται. Iung. § 7. 8 (om.  
 $v^{is}$  τοῦτο δὲ εἰς τὸ διπλ.).  
§ 9 iung. § 10. ἀπολύμενον (duplex acc.:  
signum forte correctionis). § 11. ὅσον  
νῦν. § 12. 13. ἐπὶ τὸ γ. § 14. ἐπὶ τὸ ζῆμ.  
fol. 145 $\nu$ . c. 5 ( $\epsilon$ ). ὑποστρέψῃ.  
c. 6 ( $\zeta'$ ). c. 7 ( $\zeta'$ ) pr. ἐκβάλλεις . . ἡ φαρμηλία  
. . ἐκεῖ, ἐνιαυτοῦ . . § 1—3 (iunct.) ad  
v. ἰουλίους schol. ÷ in marg.: τουτέστι  
τοὺς περὶ βίας μεθ' ὅπλων ἢ καὶ χωρὶς  
ὅπλων: — „h. e. leges de vi armata vel  
etiam sine armis“. In § 3 ἡ π. κλοπ. . .  
κινουμένη ἀγωγῆ: — cet. om.  
§ 12. § 15. ad v. εἰς νόξαν schol. ÷ in  
marg.: εἰς ἐξέτασιν ἢ εἰς θεραπεία[αν]  
τῆς ζημίας: „in quaestionem vel in repa-  
rationem damnī“.  
§ 16—18. δούλος ἐξωθ. . . οὕς εὐποπ|ω  
δούλων (sic). Iung. § 19. μὴ διεκδικῆ.  
Iung. § 20. οὐτίλιος κινεῖται. § 27 iung.  
§ 28. οὐ νέμεται βία: — § 29. 30. § 40.  
ἀφ' οὗ ἐνήγ. § 41.
- c. 8 ( $\eta$ ). τῆ εἰς τὸ διπλάσιον ἀγωγῆ ἐν . . . .  
ἐλαττον ἤλθεν.  
c. 9 ( $\theta'$ ) pr. § 2. ῥομφαία. Iung. § 3—5. ἡ δύο fol. 122 $\nu$ .  
κἂν ἄοπλοι. § 6—7. ἄλλη ἀπιόντας . .  
ὥσπερ ὅδε (sic). § 8. ἐν ὅπλοις πο. . .  
ἐκβέβληνται: — § 9. § 10. 11. φαρμη-  
λία ἐνόπλω. § 17. 18 (iunct.) ὑποδέχε-  
ται δὲ . . τὴν εἰς τὸ διπλάσιον ἀγωγῆν.  
c. 13 ( $\iota'$ ). c. 14 ( $\iota\delta'$ ). c. 15 ( $\iota\epsilon'$ ) pr. ἐκ πολ. κλ.  
c. 16 ( $\iota\zeta'$ ). ἔχοντα τὴν χρ. . . τούτων παρα-  
κρατεῖ.  
c. 17 ( $\iota\zeta'$ ). ἀφαιρουμένον τοῦ ν.  
c. 22 ( $\kappa\alpha'$ ). c. 23 ( $\kappa\beta'$ ). ἀντεκβάλλω . . ἀντεκ-  
βάλλει.  
c. 25 ( $\kappa\epsilon'$ ). ἐκβάλλεις.  
c. 26. ἐνοικος ἢ ὁ τ.  
c. 28 ( $\kappa\eta'$ ) pr. μισθωτῆς.  $v^a$  θερ. ὀνόμ. bis scripta fol. 122 $\nu$ .  
inveniuntur. οὐτίλιος κινεῖται.  
c. 31 ( $\lambda\alpha'$ ). Ἡ βιαίας . . ἐπὶ τοῖς κινήτοις (mediis  
omissis) ἀρμόζει: —  
c. 32 ( $\lambda\beta'$ ). τινι προᾶγμα . . τῆ βιαίας . . εἰς  
τὸ τετραπλοῦν, μετὰ δὲ τὸν ἐνιαυτὸν . .  
c. 33 ( $\lambda\beta'$ ) (sic). τῆ βιαίας ἀρ.  
c. 34. τῆ βιαίας ἀρ. Loco ἐνάγεσθαι legitur  
ἐν|έσθαι . . νοξαλία . . δύναται.  
c. 35 ( $\lambda\epsilon'$ ). προγονοῦ πράγματα . . ἀρπαξάσης . .  
ὁ πρόγονος προγόνου ἢ τὴν βιαίας ἀρ.  
. . . . ἄλ. πράγματα παρὰ γνώμην τοῦ  
δεσπότου: —
- ΤΙΤΛΟΣ ΙΗ', ΒΙΒΛΙΟΥ Ξ'.
- In rubr.: ἡ ἰδιωτ.
- c. 1 ( $\alpha'$ ) iung. c. 2.  
c. 3 ( $\beta'$ ) pr. Iung. § 1—3. 5. παραγωνόμενος . .  
ἐπὶ τὸ . . Iung. § 6. ἡ τοῦ πλοίου: — cet. om.  
c. 4 ( $\gamma'$ ). ἐπὶ τὸ γ. c. 5 ( $\delta'$ ) pr. c. 5 § 1 ( $\epsilon'$ ).  
Ἐάν κατ' αὐτὸν . . § 2. καὶ ἐξετ. καὶ fol. 123 $\nu$ .  
κατηγορ.  
c. 6 ( $\zeta'$ ). c. 7. καὶ τύπτων . . ἢ καὶ ὑβρίσας: —  
c. 8 ( $\zeta'$ ). c. 9. c. 10 ( $\iota'$ ) pr. θεῶν ἢ χοῦμα. A  $v^{is}$   
Καὶ ὁ μετὰ novum inc. thema. § 1. 2.  
c. 11 pr. (quatuor themata iunguntur). In marg.  
[sed ad sequens caput referendum]: β. μῆ  
τ. ζ' h. e. lib. XLVIII (dig.) tit. VII.  
c. 12 ( $\iota\beta'$ ). c. 13 ( $\iota\gamma'$ ). c. 14 pr. § 1 ( $\iota\delta'$ ).  
c. 15 pr. ( $\iota\epsilon'$ ). c. 16 ( $\iota\zeta'$ ). c. 17 ( $\iota\zeta'$ ). οἱ fol. 123 $\nu$ .  
συνεχόμενοι . . ἐφ' ᾧ τινα ποιήσασθαι.  
c. 18 ( $\iota\eta'$ ). In marg. β. θ' τ.  $\iota\theta'$  τοῦ κάδ.  
(num corr. τ.  $\iota\beta'$ ? tum referendum esset  
ad c. 20). Iung. c. 19. c. 20. μεταλαμ-  
βάνουσιν.